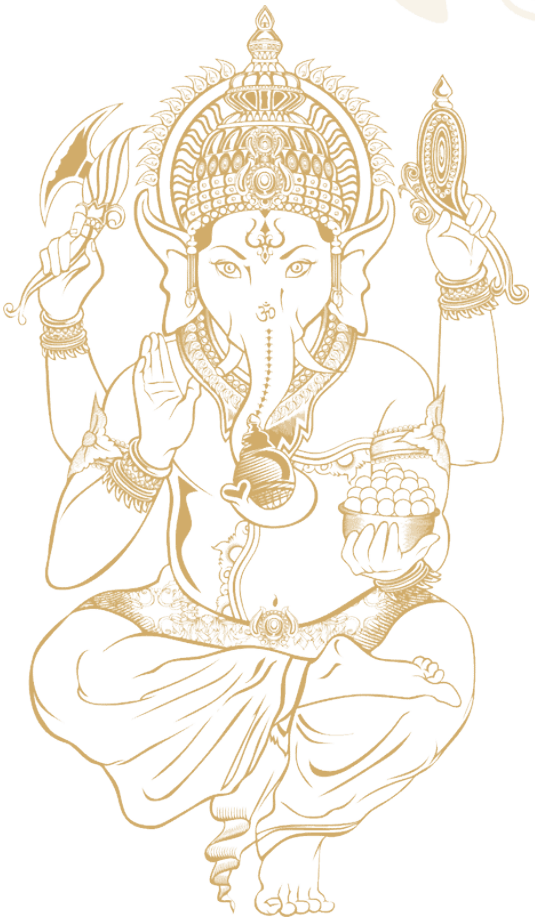

Mr.

11 Nov 2025

05:22 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121160107

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10-11/11/2025**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:22:00 घंटे**
इष्ट	56:44:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:08 घंटे
साम्पातिक काल	08:22:25 घंटे
सूर्योदय	06:40:10 घंटे
सूर्यास्त	17:29:53 घंटे
दिनमान	10:49:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:37:17 तुला
लग्न के अंश	06:55:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:55:44	311:43:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			तुला	24:37:17	01:00:18	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	09:23:07	13:38:27	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल		अ	वृश्चि	10:25:22	00:43:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:32:01	00:11:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	00:55:57	00:00:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	10:51:19	01:15:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:11:57	00:01:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:55:59	00:01:45	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:55:59	00:01:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:39:49	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:23:37	00:00:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:20:00	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	09:05:05	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न-चलित

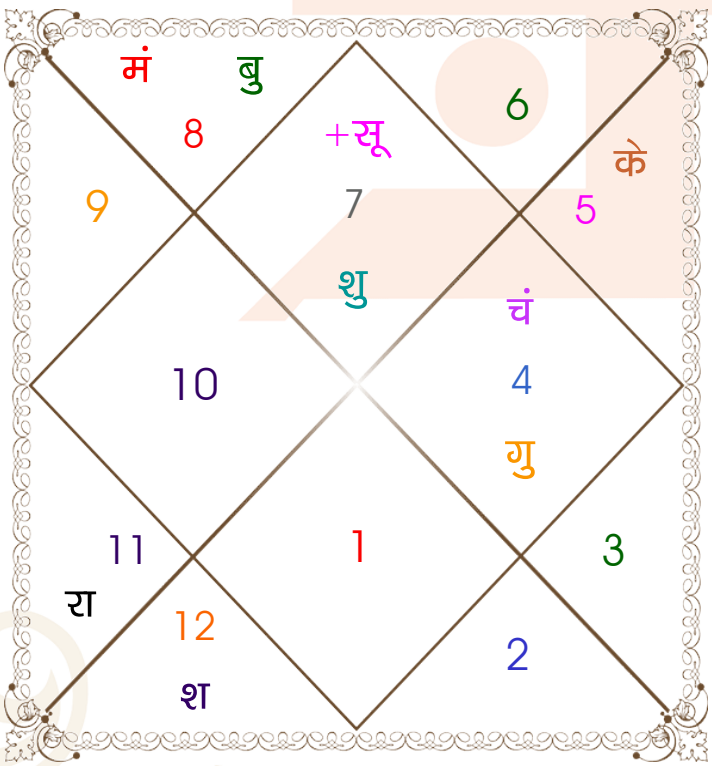

चन्द्र कुंडली

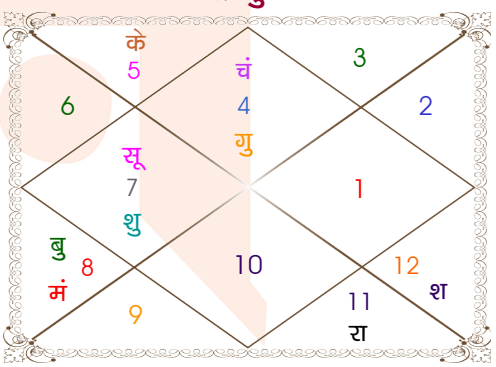

नवमांश कुंडली

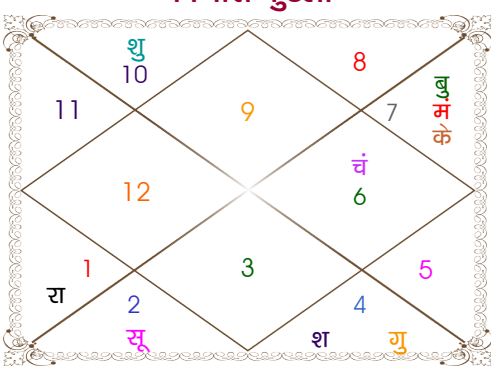

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 4 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/11/2025		28/03/2036		28/03/2053		28/03/2060		28/03/2080	
28/03/2036		28/03/2053		28/03/2060		28/03/2080		28/03/2086	
	00/00/0000	बुध	24/08/2038	केतु	24/08/2053	शुक्र	28/07/2063	सूर्य	15/07/2080
	00/00/0000	केतु	21/08/2039	शुक्र	24/10/2054	सूर्य	27/07/2064	चंद्र	14/01/2081
	11/11/2025	शुक्र	21/06/2042	सूर्य	01/03/2055	चंद्र	28/03/2066	मंगल	22/05/2081
शुक्र	19/03/2027	सूर्य	28/04/2043	चंद्र	30/09/2055	मंगल	28/05/2067	राहु	15/04/2082
सूर्य	29/02/2028	चंद्र	26/09/2044	मंगल	26/02/2056	राहु	28/05/2070	गुरु	02/02/2083
चंद्र	30/09/2029	मंगल	23/09/2045	राहु	16/03/2057	गुरु	26/01/2073	शनि	15/01/2084
मंगल	08/11/2030	राहु	12/04/2048	गुरु	20/02/2058	शनि	28/03/2076	बुध	20/11/2084
राहु	14/09/2033	गुरु	19/07/2050	शनि	31/03/2059	बुध	26/01/2079	केतु	28/03/2085
गुरु	28/03/2036	शनि	28/03/2053	बुध	28/03/2060	केतु	28/03/2080	शुक्र	28/03/2086

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/03/2086		28/03/2096		29/03/2103		29/03/2121		29/03/2137	
28/03/2096		29/03/2103		29/03/2121		29/03/2137		00/00/0000	
चंद्र	26/01/2087	मंगल	24/08/2096	राहु	10/12/2105	गुरु	17/05/2123	शनि	01/04/2140
मंगल	28/08/2087	राहु	11/09/2097	गुरु	04/05/2108	शनि	27/11/2125	बुध	10/12/2142
राहु	25/02/2089	गुरु	18/08/2098	शनि	11/03/2111	बुध	04/03/2128	केतु	19/01/2144
गुरु	27/06/2090	शनि	27/09/2099	बुध	27/09/2113	केतु	08/02/2129	शुक्र	12/11/2145
शनि	27/01/2092	बुध	24/09/2100	केतु	16/10/2114	शुक्र	10/10/2131		00/00/0000
बुध	27/06/2093	केतु	20/02/2101	शुक्र	16/10/2117	सूर्य	28/07/2132		00/00/0000
केतु	26/01/2094	शुक्र	22/04/2102	सूर्य	09/09/2118	चंद्र	27/11/2133		00/00/0000
शुक्र	27/09/2095	सूर्य	28/08/2102	चंद्र	10/03/2120	मंगल	03/11/2134		00/00/0000
सूर्य	28/03/2096	चंद्र	29/03/2103	मंगल	29/03/2121	राहु	29/03/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगी। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।